विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 29 अंक: 20	जयपुर 16 अप्रैल, 2015	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

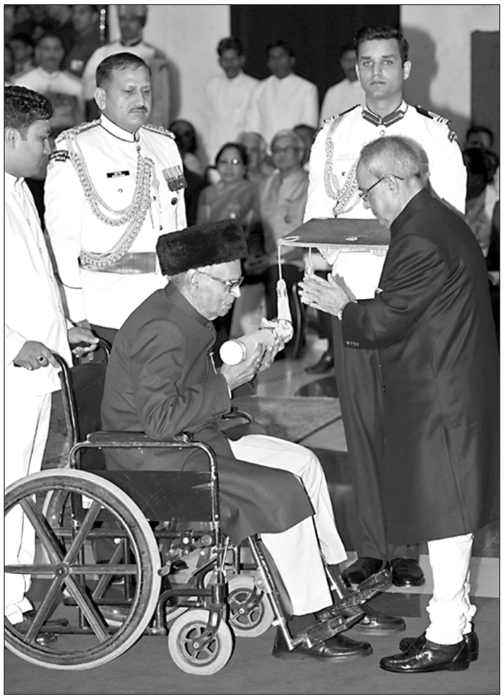

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी नई दिल्ली में 8 अप्रैल को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में उत्तर प्रदेश के मनु शर्मा को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि पर पदमश्री अवार्ड प्रदान करते हुए।

रेलवे बनाएगा निःशक्त फोटो पहचान पत्र

-डॉ.देवीलाल पवार

जोधपुर। रेल मंत्रालय ने निःशक्त यात्रियों की सुविधा के लिए अब फोटोयुक्त पहचान पत्र बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए रेलवे बोर्ड ने आदेश जारी कर दिए हैं। रेलवे के डायरेक्टर पैसेंजर मार्केटिंग डॉ.एस के अहीरवार द्वारा

जारी आदेश के अनुसार उत्तर रेलवे द्वारा प्रयोग के तौर पर निःशक्त यात्रियों के लिए फोटो पहचान पत्र जारी किए गए थे। जो काफी सफल रहे थे और निःशक्त यात्रियों को पीआरएस व ऑन लाइन टिकट में रियायत लेने में काफी राहत मिली थी।

विकलांग कोटे के तहत आरक्षण की नीति बदली

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश सरकार ने भर्ती में विकलांगों को आरक्षण देने की अपनी नीति बदल दी है। अब वर्टिकल के बजाय हॉरिजेंटल नीति अपनाई जाएगी। सरकार की ओर से यह जानकारी दिए जाने के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने क्लर्क व अन्य भर्ती में विकलांगों के परिणाम पर लगी रोक हटाने का आदेश जारी किया है। सरकार की नई नीति 1 मई से लागू होगी। मालूम हो कि विकलांग कोटे के तहत आरक्षण देने की राज्य सरकार की नीति केंद्र व सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफथी। दिनेश कुमार भाटिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पिछले साल इस संबंध में हरियाणा सरकार की नीति पर रोक लगा दी थी और चल रही भर्ती प्रक्रिया में विकलांग कोटे की सीटों के परिणाम पर भी रोक लगा दी थी। अब वर्टिकल नीति के आधार पर पूर्व में हुई भर्ती को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को आधार पर चुनौती दी जा सकती है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि हरियाणा सरकार नौकरियों में विकलांग लोगों को आरक्षण देने के लिए जिस पैमाने का प्रयोग कर कर ही है वह कानूनन गलत है।

पांच से कम बीएसटीसी वाले जिलों में नए संस्थान, सीटों में वृद्धि का निर्णय

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश के उन 12 जिलों में जहां पर 5 से कम राजकीय अथवा निजी बीएसटीसी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान संचालित है, वहां बीएसटीसी कोर्स के लिए नवीन निजी संस्थाओं अथवा मौजूदा संस्थानों को सीटों में वृद्धि की स्वीकृति/अनापत्ति दिये जाने का निर्णय लिया है। शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने बताया कि इस समय प्रदेश में संचालित 284 राजकीय व निजी बीएसटीसी प्रशिक्षण संस्थानों में 14 हजार 820 छात्राध्यापक प्रतिवर्ष अध्ययन करने की क्षमता है। बीएसटीसी के नवीन संस्थान और सीटों में अभिवृद्धि

किए जाने से अब और अधिक शिक्षक प्रशिक्षण की सुविधाएं प्रदेश में हो सकेगी। इससे उन 12 जिलों के अभ्यर्थियों को भी फायदा होगा जिन्हें पहले अपने यहां सीटें कम होने के कारण दूसरे जिलों में जाकर प्रवेश लेना पड़ता था। यह जिले हैं- भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर, दौसा, जैसलमेर, पाली, सिरोही, बारां, झालावाड़, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर और प्रतापगढ़।

प्रो. देवनानी ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश में संचालित राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में शारीरिक शिक्षण प्रशिक्षण कोर्स हेतु भी मान्यता बढ़ाये जाने की स्वीकृति/अनापत्ति प्रदान किए जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि डीपीएड कोर्स के लिए वर्तमान में मात्र एक ही संस्थान जोधपुर में राजकीय शारीरिक शिक्षक महाविद्यालय कार्यरत है। डीपीएड कोर्स के लिए नवीन निजी संस्थाओं को मान्यता प्रदान किए जाने की अनुमति प्रदान करने से शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण की सीटों में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली को अवगत कराया गया है।

दोनों पैर नहीं, फिर भी बनी बास्केटबॉल की चैंपियन!

बीजिंग। चीन के युवान प्रांत में रहने वाली कीयान हॅंगयान बुलंद हौसले की एक ऐसी जीती-जागती मिशाल है जिससें हर कोई प्रेरित हुए बिना नहीं रह सकता। दोनों पैर नहीं होने के बावजूद इस छोटी सी बच्ची ने अपनी विक्षिप्ता को हराकर दिखा दिया।

एक्सीडेंट की हुई थी शिकार

चीन के युनान प्रांत में रहने वाली कीयान हॅंगयान साल 2000 में एक एक्सीडेंट का शिकार हो गई थीं। उस समय वह केवल चार साल की थी। इस एक्सीडेंट में कीयान ने अपने दोनों पैर गवां दिए, लेकिन अपना हौसला कम नहीं होने दिया और आगे बढ़ती गई।

बास्केटबॉल प्लेयर बनना था सपना

एक्सीडेंट में दोनों पैर गवांने बावजूद कीयान का सपना एक काबिल बास्केटबॉल प्लेयर बनने का था। जिसके लिए उन्होंने अपने पैर नहीं होने विक्षिप्तता को कमजोरी न समझते हुए जमकर तैयारी शुरू कर दी। कीयान ने अपने हाथों से ही बास्केटबॉल खेलना शुरू कर दिया।

बास्केटबॉल गर्ल के नाम से मशहूर

कीयान हाथों के बल चलकर ही बॉस्केटबॉल खेलती है और उनकी ताकत को चीनी मीडिया ने प्रसिद्ध कर दिया है। इसके बाद से कीयान को चीन में बास्केटबॉल गर्ल नाम पुकारा जाने लगा। इसके बाद वह बीजिंग गई जहां चाइना रिहैबिलिटेशन रिसर्च सेंटर ने फ्री

में उनका इलाज करते हुए प्रोस्थेटिक पैर लगाए।

सपनों को मिली नई उड़ान

कीयान के प्रोसेथेटिक पैर लगने पर उसके सपनों को पंख लग गए। वो चीन में विक्षिप्त लोगों के लिए खोले गए पहले प्लेयिंग फेडरेशन के स्विमिंग क्लब में ज्वाइन करने वाली पहली कंटेस्टेंट भी बनीं। इसके बाद से ही कियान चीन में एक सेलिब्रिटी के तौर पर जानी जाती है। शारीरिक विक्षिप्ता के बावजूद साहस के दम पर इस मुकाम तक पहुंचने की उनकी काबिलियत चीन नमन करता है। कीयान अब जवान हो चुकी है और एक वर्ल्ड क्लास स्विमर होने के साथ-साथ बास्केटबॉल भी खेलती हैं।

विचार मंच

आब गई आदर गया, नैनन गया सनेहि।
ये तीनों तब ही गये, जबहि कहा कछु देहि॥

अर्थ: ज्यों ही कोई किसी से कुछ मांगता है त्यों ही आबरू, आदर और आंख से प्रेम चला जाता है। **–रहीम जी**

तकनीकी के स्वर्णिम दौर में भी लाचार है विकलांग

विकलांगता हमेशा से मानव समाज की सबसे बड़ी त्रासदी रही है। चाहे आदिम युग रहा हो, चाहे ये तकनीक का स्वर्णिम दौर। इंसान हमेशा से जीवन जीने की जद्दोजहद में विकलांगता का शिकार होता रहा है। मौजूदा समय में हिंदुस्तान की तरकीबन 10 फीसदी आबादी किसी न किसी रूप में विकलांग है। यह आंकड़ा प्रतिशत के हिसाब से दुनिया में सबसे ज्यादा है। सवाल है क्या मौजूदा सरकार इनके बेहतरी के बारे कुछ सोचेगी?

हमारे समाज की अजीब विडंबना है। जिन्हें सभी के सहयोग की जरूरत है उनकी कोई मदद नहीं करता और जो शारीरिक रूप से सक्षम हैं उनके लिए हर कोई चिंतित दिखता है। कारपोरेट हाउस, सरकारी एजेंसियां तथा गैर सरकारी संगठनों आदि सभी की एक सी स्थिति है। जो थोड़े बहुत लोग अथवा संस्थाएं दिखायी देते हैं उनके प्रयासों का लाभ सभी अशक्त लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ये प्रयास वैसे भी शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित रह जाते हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में अशक्त लोगों की संख्या बहुत अधिक है। अशक्त बच्चों के मां-बाप के समक्ष गंभीर संकट रहता है। जब तक वे जीवित हैं तो उनकी हर प्रकार से चिंता कर लेते हैं लेकिन उसके मरने के बाद उन्हें बहुत संकटों का सामना करना पड़ता है। कानूनी प्रावधानों में अस्पष्टता के कारण सरकारी प्रयासों का लाभ भी अधिसंख्य लोगों तक नहीं पहुंच पाता। केन्द्र में नयी सरकार बनने के बाद समाज के अन्य वर्गों की तरह अशक्तजनों को भी बहुत उम्मीदें हैं। लेकिन सरकार की तरफ से अभी तक अशक्तजनों के कल्याण हेतु कोई गंभीर प्रयास दिखायी नहीं दिया। इस वर्ग की इच्छा है कि सरकार उनके लिए भी कोई महत्वाकांक्षी योजना शुरु करे जिसके ठोस परिणाम जमीन पर दिखायी दें। विकलांगों से संबंधित 2011 की जनगणना के आंकड़े अभी तक अधिकृत रूप से जारी नहीं किये गये हैं। इसलिए विकलांगों की सही संख्या की जानकारी किसी के पास नहीं है। वैसे संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार भारत में करीब 12 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता का शिकार हैं। सरकारी स्तर पर कुछ कानून बने हैं। लेकिन जिन कानूनों से विकलांगों को काफी उम्मीदें हैं वे अभी राज्य सभा में अटके पड़े हैं। इनमें प्रमुख हैं मेंटल हेल्थ केयर बिल 2013 और राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज बिल 2012।

विकलांगों की समस्या की यदि बात करें तो इस समय जो सबसे बड़ी समस्या देशभर में दिखायी देती है वह है विकलांगता का प्रमाणपत्र प्राप्त करने में बाधा। इस प्रमाणपत्र के बगैर उन्हें किसी भी प्रकार की सरकारी सुविधा का लाभ नहीं मिलता। इसलिए मोदी सरकार को सबसे पहले इस प्रकार का प्रमाणपत्र प्राप्त करने का तंत्र आसान बनाना चाहिए। गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के कल्याण हेतु जब भी बात चलती है तो विकलांगों की समस्याओं को ध्यान में नहीं रखा जाता। जबकि इस प्रकार के सहयोग की जरूरत ऐसे लोगों को जिंदगीभर रहती है। घर के अंदर भी और घर के बाहर भी। चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बड़ा अभियान चलाया जाता है। लेकिन मतदान के दौरान विकलांग मतदाताओं को परेशानी न हो इसके लिए चुनाव आयोग की तरफ से अनेक कदम उठाए जाने की जरूरत है। बात सिर्फ मतदान केंद्र तक पहुंचने की ही नहीं है बल्कि मतदान करने में भी सभी प्रकार की मदद की जरूरत रहती है। इसका कारण यह है कि विकलांगता अनेक प्रकार की होती है और अलग-अलग विकलांग व्यक्ति की अलग अलग जरूरतें रहती हैं। कोई देख नहीं सकता तो कोई चल नहीं सकता, कोई बोल नहीं सकता और कोई सुन नहीं सकता। शिक्षा व कौशल विकास संस्थानों में भी उनकी जरूरतों के हिसाब से व्यवस्था होनी चाहिए ताकि वे शिक्षा ग्रहण कर कुछ हद तक खुद को सक्षम महसूस करें। एक विकलांग व्यक्ति को इस हद तक सक्षम बनाने की जरूरत है कि वह किसी पर बोझ बने बगैर स्वतंत्र जीवन जी सके। वास्तव में वही वास्तविक सशक्तिकरण है। स्वास्थ्य सुविधाएं उनकी पहुंच में हों। जिन विकलांगों को अत्यधिक सहयोग की जरूरत होती है उनके लिए उसी प्रकार की सुविधाएं सरकारी स्तर पर उपलब्ध करायी जानी चाहिए। सभी विकलांगों को सरकार की तरफ से निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यही नहीं विकलांगों को आयकर में पूरी छूट दी जानी चाहिए। इसके अलावा सामाजिक तथा निजी संस्थानों के स्तर पर भी कुछ प्रयास किये जाने की जरूरत है। सामाजिक स्तर पर जहां अन्य लोगों में विकलांगों के प्रति संवेदना पैदा करने की जरूरत है वहीं निजी संस्थानों में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विकलांगों हेतु अलग प्रावधान किये जाने चाहिए। सरकारी नौकरी कर रहे उन सभी मां-बाप को स्थानांतरण से मुक्त रखा जाए जिनके पास विकलांग बच्चे हैं।

ऋषि जन्म भूमि टंकारा, ऋषि बोधोत्सव एक सुखद व अविस्मरणीय अनुभव

आर्य समाज कोटा जिला के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा की प्रेरणा से ऋषि जन्मभूमि टंकारा जाने का पवित्र विचार आया। इस पवित्र कार्य में मेरी धर्मपत्नि श्रीमती सुशीलाजी का पूर्ण सहयोग रहा। कोटा से 19 तीर्थयात्रियों का दल अहमदाबाद मोरवी होते हुए 15 फरवरी की रात नौ बजे टंकारा की पुण्यभूमि पर उतरा। बस स्टैण्ड पर उतरते ही भव्य ऋषिद्वार नजर आया। ऋषिद्वार से होते हुए ऋषि बोधोत्सव स्थल पर पहुंचे। पहुंचकर पूछताछ कक्ष में पहले से आरक्षित कक्ष का नंबर बताया गया तथा बड़ी विनम्रता से भोजनशाला में जाकर भोजन करने का आग्रह किया। अपने कक्ष में पहुंचकर सामान रखकर भोजनशाला में जाकर गुजराती भोजन का आनंद लिया। साफ सुथरे कक्ष में आकर रात्रि विश्राम किया। अगले दिन प्रातः 4 बजे सभी जगकर शौच स्नानादि से निवृत होकर संध्या करके प्रभातफेरी के लिये रवाना हो गये। प्रभातफेरी में ईशभक्ति के गीत गाते हुए एक नये रोमांच के साथ टंकारा नगर की परिक्रमा करते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पर आ गये। जब तक प्रातः का नाशता चाय, दूध भोजनशाला में तैयार था। सभी नाश्ता करके भव्य सुसज्जित यज्ञशाला में पहुंचकर यज्ञ, प्रवचन का आनंद लिया। यज्ञ पश्चात पुनः भोजनशाला में जाकर भोजन किया। भोजनशाला में आर्य समाज भुज कच्छ के भाई बहनों द्वारा बहुत ही सुन्दर व्यवस्था की गई। वे सभी अतिथि देवो भवः की सुक्ति को चरितार्थ करते हुए बहुत ही विनम्र भाव से भोजन परोस रहे थे। भोजन पश्चात एक घंटा नियमित विश्राम करके युवा उत्सव एवं पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में सौराष्ट्र के स्कूलों एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिये टंकारा ट्रस्ट की ओर से बॉलीवाल प्रतियोगिता, प्रश्नमंच, व्यायाम प्रदर्शन उपदेशक महाविद्यालय के ब्रह्मचारियों व आर्य कन्या पाठशाला जामनगर की कन्याओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिये गये। इन सब कार्यक्रमों का संचालन अजय सहगल (टंकारा वाले) के द्वारा किया जा रहा था। सायंकाल यज्ञ में पुनः भाग लिया।

रात्रिकालीन कार्यक्रम 8.30 से 10.30 बजे तक भजनोपदेश कुलदीप शास्त्री (सपरिवार) एवं पं. सत्यपाल पथिक जी के भजनों का आनंद प्राप्त करते हुए डॉ. विनय विद्यालंकार (नैनीताल) डॉ. एसके शर्मा (मंत्री आर्य प्रादेशिक प्रतिविधिसभा) एवं श्रीमती वेद साहनी (जयपुर) के प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया। अन्त में शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम को विराम दिया गया। दिनांक 17.2.15 को प्रातः 6 बजे प्रभातफेरी गिजूभाई व्यास (94 वर्षीय स्वतंत्रता सैनानी) के नेतृत्व में आरंभ हुई। प्रभात फेरी में आज, कल के दिन की आपको बहुत अधिक संख्या आर्यजन सम्मिलित हुए। ईश्वर स्तुति के भजन गाते हुए पूरे टंकारा शहर में घूमे। पूरे प्रभातफेरी मार्ग को लाइटों के माध्यम से सजाया हुआ था। प्रभातफेरी से वापस आकर नाश्ता करके यज्ञशाला में यज्ञ का लाभ प्राप्त करने पहुंचे। वहां मुख्यवेदी के अलावा 11 हवनकुंड भी यज्ञ करने के लिए लगाये गये। उक्त सभी कार्यक्रम अजय सहगल (टंकारा वाले) के संचालन में बहुत ही मधुर एवं नपेतुले वाक्यों से सही समय पर संचालन हो रहा था।

यज्ञ की पूर्णाहूति के पश्चात ध्वजारोहण कार्यक्रम एचआर गन्धार प्रशासक एवं सलाहकार डीएवी विश्वविद्यालय जालन्धर एवं एसके शर्मा जी द्वारा किया गया। पं. सत्यपाल जी पथिक द्वारा ध्वजगीत गाया गया।

ध्वजारोहण के पश्चात शोभायात्रा आर्य सन्यासियों एवं अजय सहगल (टंकारा वाले) के नेतृत्व में मुख्य संचालन श्री लद्धाभाई पटेल के निर्देशानुसार प्रारंभ हुई। शोभायात्रा का उत्साह देखने योग्य था। करीब 60-70 संस्थाओं द्वारा बैंडबाजे, पंजाबी ढोल भांगड़ा नृत्य, पंजाबी धुन, लेजियम प्रदर्शन द्वारा ऋषि के भजनों का, ईश्वर स्तुति के भजनों, पिरामिड, व्यायाम प्रदर्शन आदि के द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों द्वारा संचालन किया गया। नगर में इस शोभायात्रा का जगह-जगह पर छाछ, ठंडाजल, शरबत, नाश्ता, प्रसाद, पुष्पवर्षा द्वारा भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बैंडबाजे भी विभिन्न भजनों की ध्वनि निकाल रहे थे। पूरी शोभायात्रा 3-4 किलोमीटर लम्बी थी। शोभायात्रा के समाप्ति के पश्चात ऋषि दयानन्द का जन्मस्थान तथा वह द्वार देखा जहां से बालक मूलशंकर सच्चे शिव की खोज करने के लिए निकले। इसके पश्चात उस शिव मंदिर को देखने गये जहां बालक मूलशंकर को बोध प्राप्त हुआ। उस छोटे से शिवमंदिर में जाकर 10 मिनट तक अवलोकन कर वापस कार्यक्रम स्थल आकर भोजन करके विश्राम करने अपने कक्ष में चले गये।

दोपहर को मंच पर 3 से 5 बजे तक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सुरेशचंद्र अग्रवाल (प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा गुजरात) एवं मुख्य अतिथि ओमप्रकाश कोहली (महामहिम राज्यपाल गुजरात सरकार) तथा विशेष उद्बोधन डॉ. विनय विद्यालंकार (नैनीताल) एसके शर्मा, श्री एचआर गन्धार थे। सायंकालीन कार्यक्रम स्थानीय आर्यसमाज ऋणहारड़ी टंकारा में हुआ।

इसी प्रकार सायंकालीन भोजन के पश्चात रात्रि 8 से 11 बजे तक अध्यक्ष योगेष भुंजाल तथा भजन कुलदीप शास्त्री तथा पं. सत्यपाल पथिक जी के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम में कन्याओं द्वारा महर्षि दयानन्द का पूरा जीवन चरित्र लघु नाटिका के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इसी प्रकार दिनांक 18.2.2015 को यज्ञ एवं प्रवचन का कार्यक्रम प्रातः 8 से 10 तक हुआ। प्रवचन आचार्य रामदेव जी युवा सम्मेलन की अध्यक्षता रमेश मेहता (पूर्व स्नातक उपनिदेशक महाविद्यालय टंकारा) द्वारा की गई।

ट्रस्ट की ओर से बहुत ही अच्छी व्यवस्था की गई। साफ सफाई, भोजन, आवास की सुन्दर व्यवस्था की गई थी। यज्ञशाला की सजावट तथा चारों ओर पेड़ पौधों का प्राकृतिक वातावरण बहुत शांति तथा मन को प्रसन्न करने वाला था। इसके लिये टंकारा ट्रस्ट के अजय सहगल (टंकारा वाले) एवं समस्त ट्रस्टी साधुवाद के पात्र हैं। मैं स्वयं एवं अर्जुनदेव चड्ढा जी की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, जिनकी प्रेरणा से इस शुभ अवसर का लाभ प्राप्त हुआ।

–उमेश कुमार कुर्मी, मंत्री, आर्य समाज गायत्री विहार, एफ-5 वसुंधरा विहार, बजरंगनगर, कोटा।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चड्डा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

सेरेबल पाल्सी शिविर में 117 बच्चों की जांच

भाजपा निःशक्तजन प्रकोष्ठ एवं निःशक्तजन कल्याण परिषद का संयुक्त अभिनव कार्यक्रम

जयपुर। भाजपा नि:शक्तजन प्रकोष्ठ एवं नि:शक्तजन कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 4 व 5 अप्रैल को यहां गोविन्ददेवजी मंदिर के सामने स्थित प्रदीप रावत मेमोरियल हॉस्पिटल में सेरेबल पाल्सी (जन्मजात शारीरिक विकलांगता) पीड़ित बच्चों के लिए जांच एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया। शिविर में इलाहाबाद से आए डॉ. जे के जैन और उनकी टीम ने सेरेबल पाल्सी (जन्मजात शारीरिक विकलांगता) पीड़ित बच्चों की जांच कर उपचार का परामर्श दिया। भाजपा नि:शक्तजन प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक राजेश वर्मा ने बताया कि इस सेरेबल पाल्सी शिविर में 117 बच्चों का पंजीयन कर नि:शुल्क उपचार का परामर्श दिया। वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. जे के जैन ने 65 लोगों को सेरेबल पाल्सी के बारे में प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हवामहल क्षेत्र के विधायक सुरेन्द्र पारीक रहे व अध्यक्षता पूर्व नि:शक्तजन आयुक्त खिल्लीमल जैन ने की। विशिष्ठ अतिथि पार्षद सुरेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह,राजेश गुप्ता और श्याम मोहन रावत रहे। शिविर में भाजपा नि:शक्तजन प्रकोष्ठ नागौर से डॉ.आर.एस.चौहान सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए पदाधिकारियों ने शिरकत की।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यशाला

राजस्थान में हुये अभिनव कार्यों की प्रशंसा

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के राज्य तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय होटल दी फर्न में आयोजित राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। इस दो-दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में देश के पन्द्रह राज्यों-

जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चण्डीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, दादर एवं नगर हवेली, दमन एवं द्वीप, उत्तराखण्ड, लक्षद्वीप के तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी एवं राज्य सलाहकार भाग ले रहे हैं।

केन्द्रीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव के. सी. सामरिया ने कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुये प्रदेश में तंबाकू नियंत्रण के किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने प्रदेश के समस्त पीएचसी-सीएचसी केन्द्रों पर खोले गये तंबाकू परामर्श हैल्प-डेस्कों एवं सभी जिलों के राजकीय कार्यालयों, स्कूलों व चिकित्सालयों आदि संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित प्रमाण-पत्र जारी करने की नवाचार गतिविधियों की प्रशंसा की। सामरिया ने देशभर में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार व्यापक कार्य-योजना बनाने में सभी राज्य साझा अनुभवों एवं प्रभावी गतिविधियों का समावेश करते हुये एकजुट होकर तंबाकू विमुक्त समाज के निर्माण में भूमिका की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने देश में संचालित तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अतिरिक्त मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन नीरज के. पवन ने बताया कि प्रदेश के समस्त राजकीय व निजी स्कूलों-कॉलेजों में तंबाकू दुष्प्रभावों की जानकारी के लिये एक लाख 30 हजार से अधिक जागरूकता कैम्प आयोजित किये जायेंगे एवं इस मुहिम में जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर जनसमुदाय में व्यापक जनजागरूकता विकसित की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वयक समितियां गठित की गयी हैं एवं गठित समिति जिले में कोटपा-2003 अधिनियम की समीक्षा करने के साथ ही सामाजिक जनचेतना गतिविधियों के क्रियान्वयन पर निगरानी करती है। पवन ने बताया कि प्रदेश को तंबाकू मुक्त घोषित करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग कटिबद्ध होकर कार्य कर रहा है एवं जनसमुदाय के मध्य तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों की व्यापक जनचेतना विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली व पंजाब राज्यों के अनुभवों को अपनाते हुये राजस्थान राज्य में भी महीने में एक दिन तंबाकू ड्राई-डे एवं ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने आदि की कार्यवाही की जायेगी।

कार्यशाला में केन्द्रीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रालय से पधारे मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एल. स्वातिचरण एवं डॉ. जगदीश कौर ने भी तम्बाकू नियंत्रण व रोकथाम पर विचार व्यक्त किये।

आर्य परिचय सम्मेलन 3 मई को नई दिल्ली में

नई दिल्ली। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के निर्णय एवं निर्देशानुसार दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा ग्यारहवां परिवार युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन आगामी 3 मई रविवार को प्रात: 10 बजे से आर्य समाज विवेक विहार, नईदिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक अर्जुनदेव चड्ढा ने बताया कि अब तक हुए 10 आर्य परिवार युवक-युवती परिचय सम्मेलनों के अच्छे परिणाम आए हैं। जानकारी मिली है कि दस सम्मेलनों से अब तक लगभग 400 से अधिक रिश्ते हो चुके हैं। इसकी उपयोगिता को देखते हुए इस बार सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने निर्णय किया है कि यह युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया जाय। ग्यारहवें सम्मेलन की संयोजिका श्रीमती उषा किरण आर्या ने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने बाहर से आये आर्य परिवारों के ठहरने, चाय-नाश्ते व दोपहर के भोजन की निशुल्क व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।

सूखी त्वचा में रोग फैलने की अधिक संभावनाः माथुर

जयपुर। त्वचा शरीर का सबसे बडा अंग है। मौसम में आते बदलाव में त्वचा रोग होने की अधिक संभावना रहती है। तेज गर्मी एवं धूप पड़ने से अंगों को ढककर रखना आवश्यक है। शरीर में कोशिकाओं के द्वारा रंगों का निर्माण होता है। सबसे ज्यादा खुजली त्वचा में सूखेपन के कारण होती है। खुजली की मुख्य वजह होती है एक कीड़ा शरीर में प्रवेश कर जाता है फिर फैल जाता है और उसी के कारण शरीर में खुजली की बीमारी फैलने लगती है, यह बीमारी उम्रदराज लोगों में अधिक फैलती है। यह विचार एक संगोष्ठी को सम्बोधित

करते हुए महात्मा गांधी अस्पताल के चर्म एवं यौन रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेष माथुर ने व्यक्त किए। डॉ. माथुर ने कहा चर्म रोग होने पर व्यक्ति को चिकित्सक से उचित सलाह लेनी चाहिए। समय के बदलाव के साथ अब चर्म एवं यौन रोग के उपचार के लिए अत्याधुनिक एवं नई तकनीक विकसित हो गई है। माथुर ने कहा कुछ बीमारियां अनुवांशिक होती है। बिना चिकित्सक की सलाह के कोई दवा ना लेनी चाहिए। उन्होंने कहा चेहरे के मस्सों का इलाज इलेक्ट्रोकोटरी मशीन से होने लगा है। यह वाइरल इंफेक्शन के कारण भी हो जाते है। एचपीवी सर्वाकल कैंसर का वैक्सीन विकसित हो गया। माथुर ने कहा यौन संक्रमण जांच के लिए पेप स्मीयर जांच की जाती है। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग का इलाज भी संभव है। विभिन्न प्रकार के चर्म रोगों पर चर्चा करते हुए कहा कि पीआरपी के तहत रोगी के खून में दवा डालकर घावों में लगाते है जिससे चेहरे के गड्ढों को इलाज संभव है। संगोष्ठी में प्रोफेसर डॉ. मनीषा निझावन ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर चर्म एवं यौन रोग से सम्बधित अनेक रोगियों की शंकाओं का समाधान किया गया।

रैम्प व शौचालय बनाने की मांग

टोंक। राजस्थानविकलांग मंच इकाई टोंक के जिलाध्यक्ष गोवर्धन लाल जाट ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर सभी सरकारी कार्यालयों में सार्वजनिक भवनों व स्थानों पर विकलांगों के लिए रैम्प व शौचालय बनाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सभी सरकारी कार्यालयों में, सार्वजनिक भवनों व स्थानों पर रैम्प व शौचालय बनाने से विकलांगों को बाधा मुक्त वातावरण मिल सकेगा। ज्ञापन देने वालों देवेन्द्र महावर, राजेश दाधीच, जितेन्द्र जैन, मो.शौकीन, दामोदर जाट, इस्लाम मोहम्मद, हरिनारायण गुर्जर, मुकेश गुर्जर, बिहारीलाल मीणा, रामजीलाल प्रजापत, कानाराम गुर्जर ओर सत्यनारायण रैगर आदि मौजूद थे।

डेरा सच्चा सौदा ने नेत्रहीन के लिए 24 घंटे में बनाया दो कमरों का मकान

ढाबा (हनुमानगढ़)। डेरा सच्चा सौदा के संगरिया ब्लाक की साध संगत ने एक नेत्रहीन व्यक्ति को 24 घंटे में दो कमरों का मकान बनाकर दिया है। डेरा सच्चा सौदा के भंगीदास स्वर्ण इंसा ने बताया कि ढाबा गांव के बुधराम नामक नेत्रहीन व्यक्ति को संगरिया ब्लाक की साध संगत व ग्रीन एस वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से दो कमरे, शौचालय मय बाथरूम व एक रसोई का निर्माण कराकर दिया है।

निराश्रित बालकों ने दिया शत प्रतिशत परिणाम

उदयपुर। सेवा परमों धर्म ट्रस्ट के अपना घर में रहकर शहर के अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की विभिन्न कक्षाओं में पढ़ने वाले निराश्रित बालकों ने मेहनत और लगन से शत प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। ट्रस्ट अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि आलोक संस्थान व आदिनाथ विद्यालय में पढ़ रहें सभी 70 बच्चों ने सफलता प्राप्त की।

जिन्हें पद्मश्री कैलाश मानव ने पुरस्कृत किया। ट्रस्टी श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने बताया कि इन बच्चों में सुरेश भील ने 99.8, सागाराम 96.3, प्रकाश मीणा 95.2, किशनलाल 94.5, देवीलाल भील 85.4 व नितिन गमार ने 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। ट्रस्ट की ओर से समन्वयक श्रीमती यशोदा पणिया, गृहपति दिनेश खराडी, प्रभारी विजय सक्सेना तथा शिक्षिकाओं को भी इस सफलता के लिए पुरस्कृत किया गया।

राजकीय प्राथमिक पाठशाला में निरामया ने दिया वाटर कूलर

भिवानी। गांव उमरावत के राजकीय प्राथमिक पाठशाला में निरामया संस्था के संस्थापक डा. मयंक चुघ ने बच्चों के लिए एक वाटर कूलर भेंट किया।

कार्यक्रम में निरामया संस्था के सदस्य व बच्चों के अभिभावक, स्कूल स्टाफ मौजूद था। बच्चों को सम्बोधित करते हुए निरामया संस्था के संस्थापक डा. मंयक चुघ ने कहा कि हमें साफ व शुद्ध जल पीना चाहिए, रोज सुबह नहाना व ब्रुश करना चाहिए। प्रतिदिन धुले हुए कपडे पहनने चाहिए। जिससे कि बीमारियां नहीं आऐंगी।

हमें ढका हुआ व ताजा भोजन ही करना चाहिए। आस-पास गन्दगी नहीं फैलानी चाहिए। निरामया संस्था के एमएल कटारिया ने भी बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ना चाहिए क्योंकि आज का दौर एक कैम्पीटिशन का दौर है। पढ़ लिखकर ही हम कुछ बन सकते हैं। आज सरकार ने अनेक सुविधा मुहिया करवा रखी है। हमें उनका फायदा उठाना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में प्रवेश उत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें निरामया संस्था के सदस्यगणों ने बच्चों को ईनाम भी वितरीत किए।

इस अवसर पर सरपंच जगदीश शर्मा, रिसाल सिंह, जयकिशन, भालू, प्रमोद, सत्यनारायण, सुधीर, मोतीलाल, संजय शर्मा, मनीराम, ओम प्रकाश, सीटे शर्मा, सगान, रमेश, रामचंद्र, रामा प्रेम आदि मौजूद थे।

माता-पिता की सेवा करें

पेड़ बूढ़ा ही सही, आंगन में लगा रहने दो

फल न सही, छांव तो देगा....

युग चेतना के सजग प्रहरी स्वामी धर्मदेव का देवलोकगमन

उदयपुर। श्रीमद् देवी भागवत के माध्यम से देश-विदेश को कोटि-कोटि जनमानस को भगवद परायण जीवन जीने की प्रेरणा देने वाले परम गौ- भक्त महामण्डलेश्वर स्वामी धर्मदेव जी महाराज का पानीपत (हरियाणा) में देवलोकगमन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पावन तीर्थ हरिद्वार में किया गया। नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन पदमश्री कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने युग चेतना का एक सजग प्रहरी खो दिया है।

हौसले ने विकलांगता को हराया, शिक्षक बन फैला रही है उजियारा

रायगढ़, छत्तीसगढ़। नारी को यूं ही शक्ति का स्वरुप नहीं कहा जाता। मन भले ही कोमल हो, लेकिन इरादे और हौसले हमेशा से बुलंद होते हैं। पुसौर की एक ऐसी महिला जिसने अपने हौसले से विकलांगता को ही हरा दिया है। इरादा ऐसा किया कि कभी विकलांगता को आड़े नहीं आने दिया। महिला शिक्षिका गुणवती प्रधान ने अपने हौसले और जिद से विकलांगता को भी मात दे दी है। अपने नाम के अनुरुप ही उन्होंने काम भी करके दिखा दिया है। कुदरत कहें या नसीब, जीवन के गुणवती के जीवन में विकलांगता का शाप दे दिया था, लेकिन शारीरिक अक्षमता को उन्होंने कभी अपने सपनों पर हावी नहीं होने दिया। गुणवती पुसौर की प्राथमिक शाला में बतौर प्रधान पाठक के रुप में कई बच्चों का भविष्य गढ़ रही हैं। परिवार में उनकी बहन सौदमिनी आज भी बिना राग द्वेष के अपने दायित्वों को ना सिर्फ निर्वहन कर रही है बल्कि उनकी बैसाखी बन कर गुणवती के लिए सदैव तत्पर है।

हौसले से लांघी विकलांगता की बाधा

पानीपत। हौसले की उड़ान हो तो बड़ी से बड़ी बाधा को भी आसानी से लांघा जा सकता है। ऐसा ही कर दिखाया है हरिनगर के 39 वर्षीय सुरजीत सिंह लठवाल ने। सुरजीत विकलांगता को मात देकर राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर पांच स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक जीत चुका है। अब उसका जिले की एथलेटिक टीम में चयन हुआ है। वह 25 से 27 मार्च को अंबाला में होने वाली राज्य स्तरीय पैरा ओलंपिक एथलेटिक में दम दिखाएगा। सुरजीत ने पैतृक गांव चिड़ाना में दस साल की आयु में कबड्डी खेलना शुरू किया। डेढ़ साल में ही वह अपनी आयु के खिलाड़ियों में सबसे बेहतरीन रेडर हो गया। यहीं से सुरजीत ने ठान ली थी कि वह राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता में पदक जीतेगा, लेकिन इस उम्मीद पर दो साल बाद तब पानी फिर गया जब सुरजीत का आटा चक्की में आने से दायां हाथ कट गया। उसने कबड्डी खेलना छोड़ दिया। साथी खिलाड़ी व परिजनों ने भी उसे सलाह दी कि अब वह खेल से दूर रहे। इसके बाद वर्ष 2002 में वह पानीपत के हरिनगर में आ गया। यहां के शिवाजी स्टेडियम में उसने एक ऐसे युवक को दौड़ते देखा जिसके दोनों ही हाथ कटे हुए थे। कोच व सीनियर एथलीट रविंद्र आंतिल ने सुरजीत को सलाह दी कि उसका शरीर तंदरुस्त है और वह 100 और 200 मीटर में पदक जीत सकता है। उसे हौसला मिला और दौड़ना शुरू कर दिया। दो साल बाद वह जींद के जाट कॉलेज में बेस्ट एथलीट चुना गया। इसके बाद सुरजीत ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वर्ष 2011 से पैरा ओलंपिक राज्य व राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पदक जीतता आ रहा है।

दूभर लगने लगी थी जिंदगी: राशन डिपो संचालक सुरजीत ने बताया कि हाथ कटने के बाद उसने जिंदगी दूभर लगने लगी थी, लेकिन जब से दौड़ में सफलता हासिल की तब से खुश हूं। सप्ताह में चार दिन एक-एक घंटा दौड़ा का अभ्यास करता हूं। उसके दो लड़के, एक लड़की और पत्नी भी उससे खुश हैं।

चार एनजीओ को साढ़े तीन लाख डॉलर की मदद देगा जापान

नयी दिल्ली। जापान ने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाली भारत की चार एनजीओ को वह लगभग साढ़े तीन लाख डॉलर की आर्थिक मदद देगा। भारत में जापान के राजदूत ताकेशी यागी और संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस आशय के समझौतों पर हस्ताक्षर किये। जापानी दूतावास ने बताया कि विशेष रूप से सक्षम स्कूली बच्चों के लिए काम करने वाली दिल्ली की संस्था तमन्ना को 81,664 डॉलर की मदद दी जायेगी जिससे इन बच्चों के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग क्लासरूम और एक बेकरी बनाने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा एससि सिस्टर की आगरा स्थित सेंट जोसेफ डिस्पेंसरी को 99,457 डॉलर की सहायता दी जायेगी। उत्तर प्रदेश के ही अमरोहा में काम करने वाली हदयालय एजुकेशन एंड ऑर्फन्स वेलफेयर सोसायटी को असहाय वृद्ध लोगों के लिए आश्रय बनाने के लिए 95,991 डॉलर दिये जायेंगे। इसके अलावा मिजोरम के कोलासिब जिले के खामरांग गाँव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने के लिए मिशन फाउंडेशन मूवमेंट को 72,307 डॉलर की मदद दी गयी है।

निःशक्तजन को सिलाई प्रशिक्षण

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के सेक्टर 4 स्थित परिसर में आईसीआईसीआई स्वरोजगार उद्यमिता संस्थान व नारायण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे निःशक्तजन के 45 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण का समापन हुआ।

इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने सभी 22 प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीन तथा टूल किट प्रदान किया। संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार से जुडने पर शुभकामनाएं दी।

आईसीआईसीआई से ललित बोहरा व मनप्रीत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षक नसरीन, विजयलक्ष्मी व संचालन संस्थान की वरिष्ठ साधिका यशोदा पणिया ने किया।

निःशक्त बच्चों के लिए टीचर नहीं

अरूण शर्मा

जयपुर। शारीरिक निशक्तता से जूझ रहे बच्चों के लिए शिक्षा आज भी सपना है। सरकारी योजनाओं में मूक-बधिर बच्चों के लिए शिक्षा के तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं। आश्चर्यजनक है कि करीब 7 लाख मूक-बधिर और डेढ़ लाख दृष्टिबाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए राज्य में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त एक भी शिक्षक नहीं है। यह खुलासा हुआ है सूचना का अधिकार कानून के तहत मिली जानकारी में। बीकानेर स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से मिली सूचना के अनुसार राज्य में मूक बधिर बच्चों को पढ़ाने के लिए एसआईईडीएसएस योजना के लिए प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापक नहीं हैं। वर्तमान में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक ही विशेष श्रेणी के बच्चों को पढ़ाते हैं। नतीजतन ऐसे बच्चों को अधूरा शिक्षण मिल रहा है।

हक से जाना अधिकार: निशक्त बच्चों के लिए शिक्षण व्यवस्था के लिए आरटीआई के तहत मूक बधिर टोंक फाटक रोड स्थित मधुवन कॉलोनी निवासी दीपक ने मूक बधिर बच्चों के लिए विद्यालय एवं शिक्षण की व्यवस्थाओं से जुडे सवाल पूछे थे। दीपक वर्तमान में पोद्दार मूक बधिर स्कूल में अध्ययनरत है।

शिक्षक का टोटा: मूक-बधिर व दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षकों का भी टोटा है। मूक बधिर बच्चों के स्कूलों में प्रधानाचार्य का एक व्याख्याता के दो वरिष्ठ अध्यापक के सात अध्यापक के आठ तथा दृष्टिबाधित बच्चों के स्कूल में व्याख्याता के 8, वरिष्ठ अध्यापक का एक, अध्यापक के छह पद रिक्त हैं। इनमें अन्य कार्मिकों के भी ज्यादातर पद रिक्त हैं। जिससे शिक्षण व्यवस्था चौपट है।

हर भारतीय के दिल के करीब है बैसाखी

-अर्जुनदेव चड्ढा

नई खुशी और नई उमंग के त्यौहार के रूप में बैसाखी न केवल पंजाबियों के बीच, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में अलग अलग प्रकार से मनाया जाता है। किसानों की फसलें खेतों से कटकर घरों में आती है, ऐसे में धन और धान्य की पूर्णता हमारे घरों में आती है, किसानों के चेहरों की मुस्कान बाजारों में भी रौनक लाने का कार्य करती है। जब हर जगह खुशी का वातावरण होतो जट भला घर पर शांति से कैसे बैठ सकते हैं। ढोल नगाड़ों की थाप पर युवक युवतियां प्रकृति के इस उत्सव का स्वागत करते हुए गीत गाते हैं, एक दूसरे को बधाईयां देकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं।

बैसाखी पर्व पर खुशी और उमंग के वातावरण में लबरेज जट गाते हैं,''ओ जटटा आई बैसाखी।'' चारों ओर गिद्दा और भांगड़ा करने वाले लोग नजर आते हैं। अमृतसर के गोल्डन टेम्पल से लेकर दिल्ली के बंगला साहिब तक श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आती है। हर कोई गुरूद्वारों में मत्था टेककर, पावन सरोवरों में स्नान करके खुद को पवित्र करने का कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहता है। खास तरह के पाठ, कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बैसाखी की निराली छटा के दर्शन होते हैं। यहां काढा, प्रसाद और लंगर का स्वाद चखने के बाद कोई इच्छा शेष नहीं रह जाती है। वैशाख महीने में आने के कारण से इसे बैसाखी कहा जाता है। भारत में महीनों के नाम नक्षत्रों पर रखे गए हैं। बैसाखी के समय आकाश में विशाखा नक्षत्र होता है। विशाखा युवा पूर्णिमा में होने के कारण इस माह को बैसाखी कहते हैं। बैसाखी एक लोक परंपरागत त्यौहार है। किसान खरीफ की फसल पकने पर खुशी के प्रकटीकरण के रूप में बैसाखी पर्व मनाते हैं। खेतों में गेहूं के साथ ही जो भी फसलें उगाई जाती हैं, सभी इस समय तैयार हो जाती हैं। देशभर में इस समय गेहूं की बालियां हवा के साथ लहराती हुई मन को मोह लेती हैं। अपने भरे हुए खेतों को देखकर किसान का मन हर्षित होता है और किसान के लिए यह समृद्धि का पर्व बन जाता है। इस दिन किसान गेहूं की बालियां अग्निदेव के समक्ष अर्पण करके कुछ भाग प्रसाद के रूप में सभी लोगों में बांटते है। कृषक इसे बड़े आनन्द और उत्साह के साथ मनाते हुए खुशियों का इजहार करते हैं। वास्तव में बैसाखी ऋतु परिवर्तन का भी प्रतीक है। हाड कंपाती सर्दियों से निजात पाकर मानव कुछ ऊष्मा को प्राप्त करना चाहता है। बैसाखी पर्व से गर्मियों का प्रारंभ सुखद अनुभूति देता है।

बैसाखी के दिन निर्दयी मुगलों से लोहा लेने के लिए गुरू दशमेश गोविंदसिंह जी ने अपने अनुयायियों को एकत्र करके उनमें शक्ति का संचरण किया था। उन्हें अमृत छकाकर निर्बल और कमजोर हो चुके समाज में फिर से चेतना भरने का सफल प्रयास किया था। सिक्ख मतावलम्बी बैसाखी को उनकी याद में मनाते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाती है, जहां माता अपने दस गुरूओं के ऋण को उतारने के लिए अपने पुत्र को गुरू के चरणों में समर्पित कर सिक्ख बनाती थी। वहीं देश भर में हिन्दु समाज का यह राष्ट्रीय पर्व भारतीय नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। गुरू तेग बहादुर जी का बलिदान इसी दिन हुआ था। हिन्दु समाज में इसे स्नान, भोग और पूजा के द्वारा मनाया जाता है। माना जाता है कि हजारों सालों पूर्व देवी गंगा धरती पर उतरी थीं। उन्हीं के सम्मान में हिन्दु समाज पारंपरिक पवित्र स्नान के लिए गंगा किनारे पर एकत्र होता है।

रोड शो में दी रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट की जानकारी

राजस्थान ने किया निवेश के लिये महाराष्ट्र के उद्योगों को आमंत्रित

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी ने कहा है कि पुणे शहर उद्योग की दृष्टि से भारत के सबसे महत्वपूर्ण केन्द्रों में से एक है। राजस्थान के संबंध में यहां निवेश की प्रतिक्रिया काफी सकारात्मक और उत्साहजनक है। माहेश्वरी ने पुणे में जयपुर में आगामी 19-20 नवम्बर 2015

को आयोजित होने वाले 'रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट 2015' में शामिल होने के लिए पुणे और महाराष्ट्र के व्यापार जगत के अग्रणी लोगों को राज्य में निवेश के लिये असीम सम्भावनाओं से रूबरू कराया। उन्होंने पुणे में राज्य सरकार की ओर से एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ राजस्थान में निवेश के संभावित अवसरों के लिये एक रोड शो भी आयोजित किया। इस रोड शो में पुणे के व्यापार जगत के अनेक प्रमुख व्यक्ति शामिल हुए।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने एक बैठक में जिन प्रमुख इंडस्ट्री सेक्टर्स पर चर्चा की उनमें ऑटो एवं ऑटो कम्पोनेंट्स, सेरेमिक्स, इलेक्ट्रोनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्यूफैक्चरिंग (ईएसडीएम), सोलर कम्पोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग, आईटी व आईटीईएस, रिन्यूएबल एनर्जी, मिनरल्स, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एग्रो प्रोसेसिंग व नॉलेज सिटी प्रमुख हैं।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि जयपुर में आगामी 19-20 नवम्बर 2015 रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट 2015 का एक वैश्विक आयोजन होने जा रहा है, जिसमें राज्य के राजनीतिक नेतृत्व, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों एवं स्थानीय व्यापारिक प्रमुखों के साथ राजस्थान में निवेश के माहौल तथा अवसरों पर वार्ता करने के लिए दुनिया भर से प्रमुख निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रिसर्जेंट राजस्थान प्रदेश में समावेशी और व्यापक विकास के माध्यम से परिवर्तन लाने के लिए मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे के विजन का एक भाग है। उन्होंने बताया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में व्यापार जगत सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, अत: प्रदेश में इस सम्बन्ध को मजबूत बनाने और भागीदारी कायम करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

इसके बाद ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त, डॉ. समित शर्मा ने एक प्रजेंटेशन भी दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के भिवाड़ी, नीमराना और अलवर तेजी से महत्वपूर्ण ऑटोमेटिव हब के रूप में परिवर्तित हो रहे हैं। इस क्षेत्र में 100 से अधिक ऑटोमोटिव व ऑटो कम्पोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनियां स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य का फोकस रक्षा व ईएसडीएम क्षेत्रों में निर्माण को बढ़ावा देना है। राजस्थान में निवेश के अवसरों का पता लगाने और राज्य द्वारा दी जा रही सहुलियतों का लाभ उठाने, महाराष्ट्र की ऑटोमेटिव एवं अन्य मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की कम्पनियों के लिये जिनमें रक्षा व इलेक्ट्रॉनिक्स भी शामिल है, जो व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डॉ. शर्मा ने कहा कि कार्यक्षेत्र की अनेक प्रमुख कम्पनियां यहां स्थापित हैं, इस तथ्य देखते हुए कि निवेश आमंत्रित करने के लिए भारत दौरे के तहत हमारा पहला रोड शो पुणे में आयोजित करना स्वाभाविक था।

राज्यपाल के संरक्षक बैज लगाया

जयपुर। राज्यपाल कल्याण सिंह को इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी के प्रशासक नीरज के. पवन ने सोसायटी के संरक्षक का बैज लगाया। राज्यपाल सोसायटी के पदेन संरक्षक होते हैं। इस मौके पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव गिरी राज सिंह भी मौजूद थे। राज्यपाल सिंह को प्रशासक पवन ने इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी के राजस्थान राज्य शाखा द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा मातृ शिशु कल्याण केन्द्रों में कन्या के जन्म होने पर बधाई पत्र भेजे जाने की परम्परा प्रारम्भ की गई है। संस्था द्वारा प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और रेडक्रॉस स्वयंसेवक व आजीवन सदस्य बनाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

राज्यपाल को 'भीलवाड़ा के विरासत स्थल' की प्रति भेंट

जयपुर। राज्यपाल कल्याण सिंह को राज भवन में ''भीलवाड़ा के विरासत स्थल'' पुस्तिका की प्रथम प्रति भेंट की गई। इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरीटेज भीलवाड़ा चेप्टर द्वारा प्रकाशित पुस्तिका में भीलवाड़ा जिले के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, प्राकृतिक एवं पर्यटन के धरोहर स्थलों का सचित्र उल्लेख किया गया है। इस मौके पर ट्रस्ट के संयोजक बाबू लाल जाजू, सह संयोजक श्याम सुन्दर जोशी व सदस्य सूरज सोनी मौजूद थे। राज्यपाल सिंह को जाजू ने स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

फिजिकली चैलेंज्ड लोग अब पहन सकेंगे स्टाइलिश गारमेंट्स। क्लोदिंग की री-इंजीनियरिंग से फैशन डिजाइनर्स कर रहे हैं एनजीओ और हॉस्पिटल को जोड़ने की तैयारी

फिजिकली चैलेंज्ड के लिए फैशन में री-इंजीनियरिंग

ममता शर्मा ▸

फरवरी में हुआ न्यूयॉर्क फैशन वीक हो या फिर मेरिल स्ट्रीप, जेनिफर लोपेज और एंजेलिना जॉली के लिए ड्रेस डिजाइन कर चुकी इज्जी कैमिलरी की आईजेड अडेप्टिव रेंज। फिजिकली चैलेंज्ड लोगों को गारमेंट्स की फैशनेबल रेंज देने के लिए दुनिया भर के डिजाइनर्स उनके लिए खास क्लोदिंग रेंज लेकर आ रहे हैं। अब तक फैशन इंडस्ट्री, बॉलीवुड और फैशन शो पर ही फोकस करने वाले डिजाइनर्स अब सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी और मेडिकल वियर फील्ड में कई प्रयोग कर रहे हैं। शहर की डिजाइनर शुचि त्रिखा व फैशन डिजाइनिंग की स्टूडेंट तवलीन ढींगरा ने इसी कैटेगरी में कलरफुल गारमेंट डिजाइन किए हैं। ड्रिल कॉटन, ऑर्गेनिक लिनन, शिफॉन और जोरजट फेब्रिक में बने इन गारमेंट्स को हॉस्पिटल में इंट्रोड्यूस किया गया है

• हैंडीकेप गारमेंट्स को एक मॉडल के जरिए समझाते हुए।

ऐसे मिला आइडिया

प्योर कॉटन फेब्रिक में बड़े कार्गो पॉकेट के साथ शर्ट और ट्राउजर डिजाइन किए हैं। यूएसए की एक क्लाइंट ने फिजिकली चैलेंज्ड हसबैंड के लिए कुछ खास डिजाइन के गारमेंट तैयार करवाए थे। बस वहीं से मुझे यह आइडिया मिला और मैंने सोचा क्यूं ना अपनी क्रिएटिव स्किल का फायदा इन लोगों की अनकही जरूरत को पूरा करके उठाया जाए। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ट्राउजर और शर्ट डिजाइन किए।

-शुचि त्रिखा, डिजाइनर

हॉस्पिटल कर सकते हैं लागू

फोर्टिस हॉस्पिटल को भी डिजाइनर्स ने अप्रोच किया है। फिलहाल इस विषय पर सोचा जा रहा है कि हॉस्पिटल के किन पेशेंट्स को इस तरह के यूटिलिटी गारमेंट्स पहनाए जाएं ताकि वे कंफर्टेबल फील करें।

-आरती त्रिवेदी, एचओडी, हाउस किपिंग, फोर्टिस हॉस्पिटल

जोरजट शिफॉन के गारमेंट्स

यूएसए के एक प्रोजेक्ट में मैंने हैंडीकैप लोगों के लिए गारमेंट डिजाइन किए थे। इन्हें डिजाइन करने से पहले मैंने इन लोगों के साथ रहकर इनकी लाइफ स्टाइल को जाना। कुछ लोगों को खड़े रहने में परेशानी होती है तो किसी के हाथ-पैर में मूवमेंट नहीं होता है। कोई चोट से ग्रस्त है इस तरह की सभी डिसएबिलिटी को देखते हुए मैंने ऑर्गेनिक कॉटन, शिफॉन और जोरजट के कॉम्बिनेशन में गाउन, ट्राउजर, शर्ट और स्कर्ट डिजाइन की हैं।

-तवलीन ढींगरा, फैशन डिजाइनिंग स्टूडेंट पर्ल एकेडमी

एडेप्टिव क्लोदिंग बेहतर ऑप्शन

नॉर्मल क्लोदिंग में जिपर, भारी फेब्रिक और स्ट्रेट डिजाइन होते हैं जो फिजिकली चैलेंज्ड लोगों की खास जरूरतों को पूरा नहीं करते। लेकिन एडेप्टिव क्लोदिंग में मैग्नेटिक क्लोजर और वेलक्रो लगाए जाते हैं जिससे इन गारमेंट्स को पहनना और एडजस्ट किया जा सकता है।

साभार : दै. भास्कर

काठमाण्डू में निःशक्तजन सहायता शिविर

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान एवं श्री श्याम भक्त मण्डल काठमाण्डु (नेपाल) के संयुक्त तत्वावधान में काठमांडु में निःशक्तजन के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर एवं स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर 10 व्हील चेयर, 25 जोड़ी बैशाखी, 15 का ऑपरेशन के लिए चयन तथा 175 निःशक्तजन का पंजीयन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि राम जी गोयल उद्योगपति काठमाण्डु तथा विशिष्ट अतिथि पवन मित्तल, पुरूषोत्तम शर्मा, मधु जैन, संदीप माकरिया व संजय मित्तल थे। संस्थान साधक अखिलेश अग्निहोत्री व हरि प्रसाद लड्ढा ने संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया। संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

राजस्थान को मिला बैस्ट कल्चरल डैस्टीनेशन अवार्ड

जयपुर। सांस्कृतिक विविधताओं से परिपूर्ण एवं पर्यटकों की सर्वश्रेष्ठ पसंद के लिए राजस्थान को भारत एवं दक्षिण एशिया की नामचीन पत्रिका ''ट्रैवल प्लस लेजर इंडिया एंड साऊथ एशिया'' द्वारा ''बैस्ट कल्चरल डैस्टीनेशन अवार्ड-2014'' से सम्मानित किया गया है। राजस्थान को यह सर्वश्रेष्ठ कल्चरल डैस्टीनेशन अवार्ड गुडगांव में

आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। राजस्थान सरकार के दिल्ली स्थित पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक आर.के. सैनी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस मौके पर पत्रिका के मुख्य संपादक ने कहा कि राजस्थान सांस्कृतिक विविधताओं से परिपूर्ण राज्य है जहां देश-विदेश से लाखों पर्यटक प्रत्येक वर्ष भ्रमण के लिए आते है। राजस्थान ने अपनी सांस्कृतिक छवि को देश एवं दुनिया में श्रेष्ठतम स्थान पर स्थापित किया है।

विधानसभाध्यक्ष ने उजास-2015 का विमोचन किया

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने यहां सिविल लाइन्स स्थित अपने आवास पर टैगोर विद्या भवन मानसरोवर की वार्षिक पत्रिका उजास- 2015 का विमोचन किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस स्मारिका में विद्यार्थियों ने लघु कविताओं में

अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। इससे यह जाहिर होता है कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं प्रतिभाशाली हैं तथा यहां के गुरुजन उन पर ध्यान देते हैं। प्रारम्भ में टैगोर ग्रुप के निदेशक पी. डी. सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर टैगोर विद्या भवन मानसरोवर के प्राचार्य मुरारी लाल शर्मा, समाजसेवी रिछपाल कविया एवं सम्पादक मण्डल के सभी सदस्य उपस्थित थे।

एक सुदृढ़ भविष्य का निर्माण करें

उत्कृष्टता केंद्र

एनएएसी द्वारा 'ए' ग्रेड के साथ प्रत्यायित एवं निर्धारित
आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित संस्थान

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत स्वायत्तशासी संस्थान)
नैमिषम् कैम्पस, मानसगंगोत्री, मैसूर - 570006, कर्नाटक
फोन : 0821-2502100 / 2502000, टॉल फ्री नं.: 18004255218, फैक्स : 0821-2510515
Website : www.aiishmysore.in

प्रवेश : 2015 - 16

संस्थान में निम्नलिखित प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैः-

क्रम. सं.	कार्यक्रम	* सीटों की सं.	अवधि	आवेदन (₹ प्रति माह)	आवेदन शुल्क मूल्य (₹)	प्रवेश परीक्षा तिथि
अ.भा.वा.श्र.सं. अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रम						
1.	बी.एससी. (स्पीच एंड हियरिंग) / बीएएसएलपी **	62	4 वर्ष	800	400 [275 अजा / अजजा]	13.06.2015
**	(ए) विदेशी छात्रों के लिए कोई प्रवेश परीक्षा नहीं है तथा चयन अर्हक परीक्षा में मेरिट पर आधारित है। (बी) प्रवेश परीक्षा के स्कोर आरआईएमएस, इम्फाल तथा एनएससीबीएमसी, जबलपुर द्वारा प्रस्तुत बीएएसएलपी प्रोग्राम में प्रवेश के लिए वैध है। उक्त संस्थाओं में आगे की चयन प्रक्रिया उनके संबंधित प्रवेश नियमों के अनुसार होगी।					
2.	एम.एससी. (ऑडियोलॉजी)	36	2 वर्ष	1300	400 [275 अजा / अजजा]	10.07.2015
3.	एम.एससी. (स्पीच-लेंग्वेज पैथोलॉजी)	36	2 वर्ष	1300	400 [275 अजा / अजजा]	
4.	एम.एस.एड. (हियरिंग इम्पेयरमेंट) ●	20	2 वर्ष	650	400 [275 अजा / अजजा]	
मैसूर विश्वविद्यालय (यूओएम) प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रम						
5.	पीएच.डी (आडियोलॉजी) (जेआरएफ)	04	3 वर्ष	14,000 + एचआरए	500 [350 अजा / अजजा]	यूओएम प्रवेश कैलेंडर के अनुसार
6.	पीएच.डी. (स्पीच - लेंग्वेज पैथोलॉजी) (जेआरएफ)	04	3 वर्ष	14,000 + एचआरए	500 [350 अजा / अजजा]	
पीएच.डी (ऑडियोलॉजी), पीएच.डी. (स्पीच-लेंग्वेज पैथोलॉजी) के प्रत्याशी तभी आवेदन भेज सकते है यदि उन्होंने युनिवर्सिटी ऑफ मैसूर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की हो।						
गैर प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रम #						
7.	बी.एस. एड. (हियरिंग इम्पेयरमेंट) ●	20	2 वर्ष	400	350 [225 अजा / अजजा]	
8.	पीजी डिप्लोमा इन क्लीनिकल लिंग्विस्टिक्स फॉर स्पीच लेंग्वेज पैथोलॉजी	10	1 वर्ष	500	400 [275 अजा / अजजा]	
9.	पीजी डिप्लोमा इन फोरेंसिक स्पीच साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी (ऑनलाइन)***	10	1 वर्ष	-	400 [275 अजा / अजजा]	
10	पीजी डिप्लोमा इन ऑगमेंटेटिव एंड आल्टरनेटिव कम्युनिकेशन (एएसी)	20	1 वर्ष	500	400 [275 अजा / अजजा]	
11	पीजी डिप्लोमा इन न्यूरो-ऑडियोलॉजी ●●	10	1 वर्ष	500	400 [275 अजा / अजजा]	
12	पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप (पीडीएफ)	02	2 वर्ष	18,750+एचआरए	500 [350 अजा / अजजा]	

प्रवेश आधारित कार्यक्रम हेतु आवेदनों का ऑनलाइन जमा होना (एम.एस.एड. (एचआई) को छोड़कर) :-

संस्थान ने बी.एससी. (स्पी. एंड हिय.) / बीएएसएलपी, एम.एससी. (ऑडियोलॉजी / स्पीच - लेंग्वेज पैथोलॉजी) तथा पीएच.डी. की प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदनों के ऑनलाइन जमा होने का सिस्टम प्रस्तुत किया है। ऑनलाइन जमा से संबंधित विवरण हेतु प्रत्याशी वेबसाइट : www.aiishmysore.in विजिट करें। प्रत्याशी नोट करें कि इन प्रोग्रामों के लिए संस्थान में आवेदनों की कोई काउंटर बिक्री नहीं होगी। हालांकि विशेष प्रार्थना पर, छात्र द्वारा कम्प्युटर / इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं मिलने की स्थिति में ऑफ लाइन फार्मेट उपलब्ध किया जायेगा। जिसके लिए निदेशक, आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग, मनसागंगोत्री, मैसूर-570006 को लिखित प्रार्थना संबोधित करते हुए आवेदन शुल्क के भुगतान का विवरण दर्शाना होगा। उन्हें एआईआईएसएच एकाउंट में शुल्क की प्राप्ति / डिमांड ड्राफ्ट की प्राप्ति की पुष्टि के बाद ही डिस्पेच किया जायेगा। ऑफ लाइन आवेदन की प्रार्थना करने वाले प्रत्याशियों को आवेदन शुल्क के अतिरिक्त बतौर पोस्टेज व हेंडलिंग चार्ज ₹ 50/- का भुगतान करना होगा।

आवेदन शुल्क का भुगतान :-

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) को नेफ्ट ट्रांजेक्शन के जरिए नेफ्ट / आईएफएससी कोड के साथ BAR BO EXTMYS (BARB Zero EXTMYS) बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सटेंशन काउंटर, एआईआईएसएच, मैसूर पर। बी.एससी (स्पी. एंड हिय.) / बीएएसएलपी, तथा बी.एस. एड (एचआई) के लिए एकाउंट नं. 98320100002221 है तथा एम.एससी. (ऑड. (एसएलपी)), एम.एस. एड (एचआई), पीएच.डी (ऑड / एसएलपी) पीडीएफ के लिए एकाउंट नं. 98320100002222 है।

प्रत्याशी बीओबी ब्रांच छोड़कर अन्य के लिए यूटीआर नं. तथा बीओबी ब्रांच के लिए ट्रांजेक्शन आईडी का रिकॉर्ड रखें जो नेफ्ट के जरिए निर्धारित शुल्क चुकाएं जाने का प्रमाण है तथा उसे ऑनलाइन आवेदन / आफलाइन आवेदन हेतु प्रार्थना में दर्शाए।

बी.एससी. (स्पी. एंड हिय.) / बीएएसएलपी हेतु ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	:	22.05.2015
बी.एससी. (स्पी. एंड हिय.) / बीएएसएलपी हेतु ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि	:	29.05.2015
बी.एससी. (स्पी. एंड हिय.) / बीएएसएलपी हेतु ऑफलाइन आवेदन की प्रार्थना की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	:	12.05.2015
बी.एससी. (स्पी. एंड हिय.) / बीएएसएलपी हेतु ऑफलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	:	29.05.2015
एम.एससी. (ऑड/एसएलपी) हेतु ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	:	22.06.2015
एम.एससी. (ऑड/एसएलपी) हेतु ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि	:	29.06.2015
एम.एससी. (ऑड/एसएलपी) हेतु ऑफलाइन आवेदन की प्रार्थना की प्राप्ति की अंतिम तिथि	:	12.06.2015
एम.एससी. (ऑड/एसएलपी) हेतु ऑफलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	:	29.06.2015

अंतिम दिनांक के बाद प्राप्त तथा अपूर्ण आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आगे, डाक विलंब के लिए संस्थान जिम्मेदार नहीं होगा।

2 अप्रैल, 2015 से आवेदन वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

* सीटों का आरक्षण, केंद्रीय शैक्षिक संस्थाओं के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार होगा।
# आवेदन फार्म एआईआईएसएच वेबसाइट : www.aiishmysore.in से डाउनलोड किया जा सकता है तथा हार्ड कॉपी आवेदन शुल्क के साथ जमा की जाए। इंटरनेट तक पहुंच नहीं होने पर प्रत्याशी लागू आवेदन शुल्क तथा बतौर डाक व हेंडलिंग चार्ज ₹ 50/- चुका कर निदेशक, एआईआईएसएच को विशेष प्रार्थना भेज सकते हैं।
● सक्षम अधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर। ●● सक्षम अधिकारी से अनुमोदन पर निर्भर।
*** सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदन पर ऑनलाइन होगा।
एम.एस. एड (एच आई) व गैर प्रवेश आधारित प्रोग्राम हेतु आवेदन जमा होने की अंतिम तिथि 26.06.2015 है।

अधिक जनकारी के लिए संपर्क करें : फोन : 0821-2900007, फैक्स : 0821-2510515
ई-मेल : director@aiishmysore.in, admissions@ aiishmysore.in वेबसाइट : www.aiishmysore.in

Courtesy by - VICKLANG MANCH

मूक-बधिर संस्थान में हुए कई कलात्मक आयोजन

जयपुर। वर्ल्ड पल्बिंग डे अवसर पर पल्बिंग एसोशिएशन, जयपुर द्वारा राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक-बधिर संस्थान, जयपुर में कक्षा प्रथम से कक्षा पांच तक के बच्चों के लिए जल संरक्षण विषय पर छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर पल्बिंग एसोशिएशन के सदस्य, संस्थान के प्रधानाचार्य महेश वाधवानी व शाला प्रभारी योगेन्द्र सिंह नरूका उपस्थित थे ।

मार्च माह में बेल्जियम के ग्रुप लेस अेमस् ड्यू वोएज ने राजकीय सेठ आनन्दी लाल पोद्दार मूक-बधिर संस्थान, जयपुर का भ्रमण किया। बेल्जियम से आए इस ग्रुप ने गुडिया घर के लिए 20 बेल्जियम गुडियाएं व दस हजार रूपये की आर्थिक सहायता संस्थान के लिए प्रदान की । इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी व चित्रकला व्याख्याता योगेन्द्र सिंह नरूका ने संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा बनाई गई कलाकृतियां भी बेल्जियम ग्रुप को दिखाई, जिसकी उन्होंने काफी प्रशंसा की।इसी तरह से राजस्थान ललित कला अकादमी, जयपुर द्वारा जवाहर कला केन्द्र में 18वें कला मेले के अन्तर्गत आयोजित आल इण्डिया सेमिनार में संस्थान के प्रभारी व चित्रकला व्याख्याता योगेन्द्र सिंह नरूका ने भाग लिया ।

छोटे कदमों की ऊंची उड़ान ये है पूनम की पहचान

भोपाल। आप उन्हें देखेंगे तो शायद कल्पना भी ना कर पाएं कि बमुश्किल ढाई फीट की इस युवती ने मध्यप्रदेश के दो क्षेत्रों में जरूरतमंदों और विकलांगों तक शिक्षा और रोजगार पहुंचाने की जुनूनी जिद पकड़ी हुई है। पर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की पूनम श्रोती खुद के बारे में बनाई हर अवधारणा को अपनी इच्छाशक्ति से तोड़ने की कुव्वत रखती हैं। पूनम आनुवांशिक रोग ऑस्टियो जेनेसिस इम्परफेक्टा से पीडित हैं। इसमें व्यक्ति की हड्डियां इतनी कमजोर होती हैं कि किसी भी वक्त जरा से भी झटके से टूट सकती हैं। अब तक असंख्य ऑपरेशन का सामना कर चुकीं पूनम की कम लंबाई और चलने-फिरने में अक्षमता का कारण भी ये बीमारी ही है।

मध्यप्रदेश के दो जिलों भोपाल और टीकमगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में विकलांगों और जरूरतमंद बच्चों और युवाओं को उद्दीप सोशल वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से कम्युनिकेशन स्किल और इंटरव्यू की तैयारी कराने वाली एमबीए डिग्री प्राप्त पूनम की जिंदगी की कहानी पूरी तरह संघर्ष से भरी है। होश संभालने से पहले ही उन्हें इस बात का अहसास हो गया था कि वे एक ऐसी आनुवांशिक बीमारी से ग्रस्त हैं। पूनम ने बताया कि स्कूल में कोई बच्चा सिर्फ इस डर से उनके पास नहीं बैठता था कि कहीं उसे भी ये बीमारी ना हो जाए। पूनम ने फाइनेंस से एमबीए करने के बाद असंख्य कंपनियों में नौकरी के लिए साक्षात्कार दिए, लेकिन उन्हें उनकी शारीरिक कमजोरी के चलते कहीं भी नौकरी नहीं दी गई। अंत में उन्होंने एक कंपनी में इंटरव्यू देने के बाद इंटरव्यू पैनल से कहा कि वे भले ही उन्हें वेतन ना दें, लेकिन उनकी क्षमताओं को जांचने के लिए एक बार काम करने का अवसर जरूर दें। पूनम ने बताया कि उनका आत्मविश्वास देखकर कंपनी ने उन्हें नौकरी पर रखा और उनके साथ बिल्कुल सामान्य कर्मचारियों की तरह व्यवहार किया। यहां उन्होंने कई साल नौकरी की, लेकिन इसके बाद जरूरतमंदों के लिए कुछ ना कर पाने की दिल और दिमाग के बीच की जंग ने उन्हें अपना रास्ता बदलने पर मजबूर कर दिया।

इरादों की मजबूत पूनम अब पिछले साल फरवरी में स्थापित अपनी संस्था के कार्यक्रम 'कैन डू' के माध्यम से टीकमगढ और भोपाल के ग्रामीण क्षेत्रों में विकलांगों को कंप्यूटर प्रशिक्षण और व्यावसायिक परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दे रही हैं।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी संस्था तरुण मित्र परिषद एवं मित्र संगम दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में एक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं स्वास्थय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

तरूण मित्र परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि यह 111वां नेत्र चिकित्सा शिविर 26 अप्रैल को प्रात:9 बजे झील कुरंजा स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में लगाया जायेगा। इस नेत्र शिविर में ए.डी.के.जैन आई केयर के नेत्र सर्जनों द्वारा रोगियों की जांच कर दवाइयां प्रदान की जायेंगी तथा मोतियाबिंद के रोगियों का चयन कर अस्पताल में ऑपरेशन किया जायेगा। मित्र संगम दिल्ली के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह जरयाल के अनुसार पूर्व महानगर पार्षद मास्टर सोमनाथ की स्मृति में आयोजित शिविर में मैटो अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा हार्ट, ब्लड प्रेशर, शुगर, ई.सी.जी. की जांच एवं बिट्टू कक्कड द्वारा कब्ज, बवासीर, पत्थरी व शुगर की दवाई भी मुफ्त दी जायेगी।

साधनहीन व पितृहीन विद्यार्थियों की सहायता

दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी संस्था तरुण मित्र परिषद साधनहीन व पितृहीन विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराएगी। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि का 40वां वार्षिक नि:शुल्क पुस्तकें व स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम रविवार, 20 अप्रैल को प्रात:9 बजे प्यारेलाल भवन में आयोजित किया जायेगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया 12 मेधावी विद्यार्थियों को रजत पदक प्रदान कर सम्मानित करेंगें। इस अवसर पर लगभग 500 विद्यार्थियों को जीवन पब्लिशिंग हाउस द्वारा सहायक पुस्तकें, धर्मपाल सत्यपाल चैरिटेबल टस्ट द्वारा रजिस्टर, कापियां व पूजा-प्रियंका गुप्ता द्वारा स्टेशनरी प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम में 100 से अधिक साधनहीन व पितृहीन विद्यार्थियों को दो लाख मूल्य की छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जायेगी। परिषद की संरक्षिका सुधा गुप्ता द्वारा 9 मेधावी पितृहीन विद्यार्थियों को श्रीकिशन गुप्ता स्मृति व सुबोध चन्द जैन स्मृति पुरस्कार प्रदान करेगी। इस अवसर पर बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगें।

संवेदना इलाहाबाद एवं श्रीराम धर्मार्थ चिकित्सालय
श्रीराम मंदिर, माला रोड, कोटा जं.
भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान
नि:शक्त जनसेवा प्रकोष्ठ, कोटा
के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित
नि:शुल्क सेरेब्रल पालसी (जन्मजात विकलांगता) एवं बाल अस्थि रोग शिविर
दिनांक: 19 अप्रेल 2015, रविवार | समय- प्रात: 9 से सायं 4 बजे तक
स्थान : माधव सत्संग भवन, श्रीराम मंदिर, माला रोड, कोटा जं.

क्या आपका बच्चा ?
- बैठने, खड़े होने एवं चलने में असमर्थ है?
- मेनिन्गोमाइलोसील से ग्रसित है ?
- बच्चे के हाथों एवं पैरों में कोई तिरछापन या छोटा हो ?
- हाथ या पैर अधिक अकड़े या ढीले हो गए हों ?
- घुटने झुके हुए हैं तथा हाथ काम नहीं करता हो ?
- सिर बेडोल हो अथवा शौच आदि की सुध न हो ?

एन.डी.टी.,एस.आई. और ओ.एस.एस.सी.एस. तकनीकी से 2000 से अधिक बच्चों को चलने फिरने के काबिल बनाने वाले -

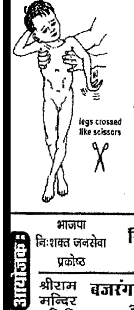

डॉ. जे.के. जैन
एम.एस. (ऑर्थो), पी.जी.आई., चण्डीगढ़

के द्वारा नि:शुल्क परामर्श एवं नई तकनीक से उपचार के लिए परामर्श दिया जायेगा।
शिविर से संबंधित अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
डॉ. आशीष शर्मा (मो.: 9001223818)

आयोजक:
भाजपा नि:शक्त जनसेवा प्रकोष्ठ: खिल्ली मल जैन, प्रदेश संयोजक; पं. सुरेश शर्मा, प्रदेश सह संयोजक; संजय शर्मा, कोटा संभाग संयोजक; डॉ. आशीष शर्मा, कोटा शहर जिला संयोजक
श्रीराम मन्दिर समिति: बजरंगलाल विजय, अध्यक्ष; अर्जुन सिंह चन्देल, मंत्री; डॉ. सुधीर उपाध्याय, चिकित्सा अधिकारी; हरिनारायण शुक्ला, महामंत्री; भँवरलाल पुरोहित, वरिष्ठ उपाध्यक्ष
शिविर प्रबंधन समिति: सुधीर प्रधान, पं. रामबाबू शर्मा, प्रवीण सिंह, भास्कर, शरद चौधरी